

## अज अदालत राजस्व अपील प्राधिकारी अजमेर

नंबर नंबर 410 नजरसानी बनाम पुष्कर सिंह उतखोवारा कंवर पुली  
 राजस्व नि. संख्या 111 एड मूल सिंह जयती राजपूत उ उतख  
 किस्म मुकदमा नजरी 27/1/14 नम्बर 51 सन 20 ( )  
 नजरसानी प्रार्थना अदालत 51 (नजरी) 27/1/14  
 पारा 29 आर.टी. एड 2020/100051 (ग्राम सड़वासा)

हुकम या कार्यवाही मय हस्ताक्षर

नम्बर व तारीख  
अहकाम जोइस  
हुकम की तामील  
जारी हुए

तारीख

पेशी

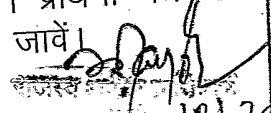
श्री मदन लाल गुर्जर श्री

14.2.20

यह नजरसानी प्रार्थना पत्र श्री मदन लाल गुर्जर एडवोकेट ने न्यायालय हाजा के निर्णय व डिक्री दिनांक 20.01.2020, अपील संख्या 482/2015 के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 229 राज.काश्तकारी अधिनियम के तहत पेश किया गया। प्रार्थना पत्र बाद जाँच रिपोर्ट होकर पेश किया गया। प्रार्थना पत्र के ग्राह्यता पर अभिभाषक प्रार्थी को सुना गया।

अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने बहस प्रार्थना पत्र निवेदन किया कि न्यायालय हाजा ने इस कानूनी बिन्दु पर ध्यान नहीं दिया कि वादीया-प्रार्थीया द्वारा प्रस्तुत वाद, वाद संख्या 204/2011 बउनवान नन्दकंवर बनाम सरकार, अप्रार्थी संख्या 01 द्वारा प्रस्तुत वाद संख्या 205/2011 बउनवान पुष्करसिंह बनाम न्यालकंवर आदि से पूर्व में प्रस्तुत किया गया था। ऐसी स्थिति में धारा 10 सी.पी.सी.के तहत समान पक्षकार व समान विषय वस्तु के लिए प्रस्तुत वादों को निर्णित करने के लिए न्यायालय को पश्चातवर्ती वाद को पूर्ववर्ती वाद के साथ कन्सोलिडेट कर ही निर्णय पारित किया जाना मैण्डेट्री था लेकिन अधीनस्थ न्यायालय ने पूर्ववर्ती वाद को पश्चातवर्ती वाद के साथ कन्सोलिडेट के आदेश पारित कर पश्चातवर्ती वाद में निर्णय एवं डिक्री पारित कर पूर्ववती वाद में शामिल मिसल करने के आदेश क्षेत्राधिकार व अधिकारिता से परे जाकर पारित किये गये है एवं न्यायालय हाजा ने तकनीकी आधार पर निर्णय पारित किया गया है इसलिए निर्णय एवं डिक्री इस कानूनी बिन्दु पर निरस्त किये जाने योग्य है। न्यायालय हाजा से अनुरोध है कि नजरसानी प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को नोटिस जारी किये जाने के आदेश प्रदान करावें।

अभिभाषक प्रार्थी की बहस पर मनन किया गया एवं प्रस्तुत नजरसानी प्रार्थना पत्र व अपील का अवलोकन किया गया। बाद अवलोकन पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र में एरर अपेरेन्ट ऑन दी फेस ऑफ रिकार्ड (Erro Apprant on the face of record) परिलक्षित होना चाहिए एवं पुनरावलोकन अपील का स्थान नहीं ले सकता है। पुनरावलोकन के माध्यम से किसी भी तथ्यात्मक त्रुटि को दुरुस्त नहीं किया जा सकता है। पुनरावलोकनकर्ता का उपरोक्त कथन एरर अपेरेन्ट ऑन दी फेस ऑफ रिकार्ड (Erro Apprant on the face of record) की श्रेणी में नहीं आने से यह नजरसानी प्रार्थना पत्र धारा 229 राज.काश्तकारी अधिनियम ग्राह्यता स्तर पर ही अस्वीकार कर निरस्त किया जाता है। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर, फैसलशुमार होकर नम्बर से कम किया जावें।

  
14/2/20